दादी माँ की स्मरण शक्ति

Grandmother's Memory - Hindi

"भारत में इस प्रकार के रोग को गम्भीर चित्त विक्षेप कहते हैं। हमें इसके उपचार की आवश्यकता नहीं होती। फिर भी हमें इस प्रकार के रोगी का विशेष ध्यान रखना, उनकी देखभाल करना, उन्हें प्यार देना, उनके जीवन को मधुर बनाना चाहिये। हमें उनको ताजी हवा से भरपूर सुरम्य, स्फूर्तिदायक सुन्दर स्थानों पर मस्ती एवं आनन्द देने के लिये ले जाना चाहिये। यह डॉक्टर के पास रोग के निदान, उपचार या दवाई के लिये जाने से अधिक महत्वपूर्ण है।"

ये विचार एक ६८ वर्षीय महिला ने स्मरण शक्ति की समस्याओं तथा उनके इलाज के लिये क्या किया जाय के विषय में अध्ययन करने के बाद लिखे। यह बेइलाज है - तुम कुछ नहीं कर सकते, ऐसी धारणा वाली वह अकेली नहीं हैं। लेकिन अब यह सच नहीं रहा। आज कई ऐसे साधन उपलब्ध हैं जिनका प्रयोग किया जा सकता है।

स्मरण शक्ति क्षीण करने वाले रोग होने के अनेक कारण हैं और इनमें से कुछ का इलाज या उपचार हो सकता है। उदाहरणतः पार्वती की दादी माँ को जिस प्रकार की स्मरणशक्ति एवं व्यवहार संबन्धी समस्याएँ हैं उनका इलाज है। कुछ जो बेइलाज रोग हैं विशेषतः उनका पता यदि उनकी आरम्भिक अवस्था में चल गया हो तो उन्हें बढ़ने से रोका जा सकता है।

पार्वती जब अपनी दादी माँ को ग्रोसरी स्टोर ले कर जाती तो हर सप्ताह उसे शर्म महसूस होती क्योंकि दादी माँ पार्वती का नाम भूल जातीं, तो कभी घर में दस पैकेट जीरा होते हुए भी दस और पैकेट खरीद लेतीं, कभी घर जाते समय कार में बैठने से इन्कार कर देतीं। दादी माँ अकेले रहती हैं , अतः पार्वती हर बार उन्हें घर छोड़ते समय चिन्तित रहती थी।

यदि परिवार अभी भी भारत में होता तो दादी माँ की देखभाल करने की समस्या नहीं खड़ी होती। पार्वती उनकी सबसे नज़दीकी रिश्तेदार है जो सबर्ब में २० मील की दूरी पर रहती है। वह प्रतिदिन काम पर जाती है , उसके तीन छोटे बच्चे हैं। वह कुछ ऐसी व्यवस्था करने के लिये बेचैन है जिससे वह आश्वस्त रहे कि दादी माँ सुरक्षित हैं।

पार्वती की सहेली जो नर्स है, उसने उसे ऐसी कई प्रकार की स्थितियों से अवगत कराया जिनके कारण स्मरण शक्ति एवं विचित्र व्यवहार की समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। उसने उस क्लीनिक में जहाँ वह काम करती है, कुछ टेस्ट कराने के लिये पार्वती की दादी माँ के आने की व्यवस्था की। किस कारण से यह समस्या है टैस्ट से ही पता चलेगा। वास्तव में टैस्ट से ज्ञात हुआ कि ब्लड शुगर तथा ब्लड सर्क्युलेशन के कारण दादी माँ को यह सम्स्याएँ होती हैं। यह थायरोइड के कारण भी हैं। इन स्थितियों के सम्मिश्रण के कारण वह अत्यन्त कन्फ्यूज़्ड तथा भुलक्कड़ हैं।

अच्छी खबर यह है कि दादी माँ की सम्स्याओं को ठीक करने के लिये ऐसी दवाइयाँ उपलब्ध हैं जिनसे उनका भुलक्कड़पन तथा कन्फ्यूज़न खतम हो गया। इससे पार्वती आराम की साँस ले सकी तथा दादी माँ से मिलने जाने के अन्तराल में निश्चिन्त रह सकी। यदि टैस्ट से यह पता चलता कि दादी माँ के मस्तिष्क में असाध्य रोग है जिसके कारण यह समस्याएँ हैं तो क्या होता ? कन्फ्यूज़न यदि वास्तव में किसी विशेष प्रकार के चित्त विक्षेप के कारण होता तो ऐसी दवाइयाँ हैं जिनके द्वारा रोग के बढ़ने की गति को धीमा करके उन्हें लाभ पहुँचाया जाता। और यदि यह भी संभव नहीं होता तो दादी माँ की सुरक्षा में मदद के लिये एक असिस्टैन्ट दिया जाता।

स्मरणीय महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि स्मरण शक्ति की क्षीणता तथा विचित्र व्यवहार के लिये कई कारण उत्तरदायी हैं जिनमें से कुछ का इलाज हो सकता है। परन्तु जब तक उसका मेडिकल एसेस्मेन्ट किसी ऐसे डॉक्टर से न कराया जाये, जो स्मरणशक्ति एवं विचित्र व्यवहार के रोग के कारणों को जानने में दक्ष है, विशेषज्ञ है और जो उचित ट्रीतमेन्ट के लिये सलाह न दे, तब तक तुम्हें यह ज्ञात नहीं होगा।